राष्ट्रीय महिला आयोग

# राष्ट्र महिला

@NCWIndia @NationalCommissionforWomen

www.ncw.nic.in

खंड 1 संख्या 220 | नवम्बर 2017

समाचार पत्र

## अंदर के पृष्ठों में >>

**भारतीय महिला हाकी टीम** ने महिला एशिया कप हाकी पदक जीता

**सायना नेहवाल** ने अपना तीसरा राष्ट्रीय पदक का दावा हासिल किया

जम्मू और कश्मीर में महिला संवेदनशीलता

पूर्वोत्तर महिलाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल प्रशिक्षण

# बाधाओं के होते हुए भी विजयी महिलाएं

भारतीय महिलाओं ने अनेक अवसरों पर खेलों के मैदान में अपनी क्षमता प्रदर्शित की है। उनकी उपलब्धियां यह दिखाती हैं कि यदि पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो भारतीय महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों का साहस इस तथ्य से देखा जा सकता है कि खेलों के मैदान में उनके प्रवेश और प्रगति के मार्ग में आने वाली रुकावटें बहुत अधिक हैं जो परिवार से मिलने वाली आपत्तियों से लेकर समाज के सामान्य दृष्टिकोण, पर्याप्त खेलकूद प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी, अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारियां और सबसे अधिक खेल के सामान सहित अपेक्षित संसाधनों की कमी है।

चाहे यह भारतीय महिला हाकी टीम हो जिसने हाल में जापान में महिला एशिया कप हाकी मेडल जीता है, अथवा विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाली महिला क्रिकेट टीम हो, इन महिलाओं ने अधिकतर अपने स्वयं के दृढ़ संकल्प से आसमान को छुआ है। इसी तरह उम्र की बाधा नकारते हुए बॉक्सिंग खिलाड़ी मैरी कॉम ने हो ची मिन्ह सिटी में हुई एशियाई बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर विश्व को यह दिखाया कि दृढ़ संकल्प सफलता की कुंजी होती है।

एक अन्य महिला खिलाड़ी, इम्फाल से भारोत्तोलक साईखोम मीराबाई चानू विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली करनम मल्लेश्वरी के बाद दूसरी भारतीय बन गई। पूजा घाटकर, महिला निशानेबाज ने ब्रिसबेन में कॉमनवैल्थ शूटिंग चैम्पियनशिप में 10 मीटर की महिला एयर राइफल इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल करके राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। बैडमिंटन में पी.वी. सिंधु और सायना नेहवाल की कहानी प्रेरणा के मुख्य स्रोत हैं।

देश भारतीय महिलाओं का ऋणी है जो अनेक कठिनाइयों के बावजूद सफलता का इतिहास रच रही हैं और वर्षों से देश को गौरवान्वित कर रही हैं।

इसलिए एक तार्किक प्रश्न उठता है कि क्या खेल – कूद क्षेत्र में महिलाओं की हाल में हासिल उपलब्धियां खेल – कूद के प्रति दृष्टिकोणगत परिवर्तन का सूचक हो सकता है? क्या सरकार बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रतियोगी खेल – कूद में भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु सक्रिय कदम उठाएगी?

अंतर्राष्ट्रीय खेल – कूद क्षेत्र में भारतीय महिला खिलाड़ी बड़ी संख्या में शीर्षस्थ स्थान पर आएं तो इसके लिए हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन करने, सरकारी नीतियों में परिवर्तन करने, सुविधाओं का उन्नयन करने और रोजगार के लिए आश्वासन देने की आवश्यकता है। ■

**वनीता अखौरी**, संपादक

हाकी

## भरतीय महिला हाकी टीम ने महिला एशिया कप हाकी पदक जीता

Source: https://www.jagranjosh.com

जहां चाह, वहां राह। भारतीय महिला हाकी टीम 13 वर्षों बाद फॉर्म में लौटी। उसने 5 नवम्बर, 2017 को काकामीगहारा, जापान में चीन को हराकर महिला एशिया कप हाकी पदक जीता (5 – 4 पैनल्टी शूटआउट के द्वारा)। इस जीत के साथ, टीम ने 2018 के विश्व कप के लिए क्वालिफाइ भी किया।

भारोत्तोलन

## भारोत्तोलक एस. मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

Source: http://eprahaar.in/

इम्फाल से भारोत्तोलक सईखोम मीराबाई चानू विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में करनम मल्लेश्वरी के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बनी। उसने 29 नवम्बर, 2017 को एनाहीम, अमरीका में महिलाओं की 48 कि.ग्रा. की कैटेगरी में अपने शरीर के भार (85 स्नैच और 109 सी एण्ड जे) से चार गुना अधिक 194 कि.ग्रा. का भार उठाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उसने स्नैच इवेंट में 85 कि.ग्रा. का भार उठाकर कॉमनवैल्थ रिकॉर्ड को भी तोड़ा और इस प्रकार 1 किलोग्राम से अपने स्वयं का रिकॉर्ड सुधारा।

निशानेबाजी

## घाटकर ने स्वर्ण पदक जीता

पूजा घाटकर ने नवम्बर, 2017 में ब्रिसबेन में हुए कॉमनवैल्थ शूटिंग चैम्पियनशिप में 10 मीटर की महिला एयर राइफल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्र को गौरवान्वित किया।

बैडमिंटन

## सायना नेहवाल अपने फॉर्म में लौटी और अपना तीसरा राष्ट्रीय पदक जीता

Sourc: http://images.newindianexpress.com

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल अपने अच्छे फॉर्म में लौटी और 8 नवम्बर, 2017 को नागपुर में हुए सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप में श्रेष्ठ बैडमिंटन कौशल दिखाते हुए दो गेम के एक कड़े मैच में पी.वी. सिंधु को हराया। उच्च श्रेष्ठ रैली फिनिश में, 27 वर्षीया सायना ने विश्व की पूर्व नम्बर वन खिलाड़ी सिंधु, जो ओलम्पिक और वर्ल्ड चैम्पियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट हैं, से अच्छा प्रदर्शन किया और एक रोमांचक मैच में जो 54 मिनट तक चला, 21 – 17, 27 – 25 से हराया।

बॉक्सिंग

## मैरी कॉम वापस लौटी, स्वर्ण पदक जीता

Source: http://indpaedia.com

मैरी कॉम, जिसकी आयु 35 वर्ष हो रही है, ने हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में हुए एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के लाईट फ्लाईवेट कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीतकर दुनिया को दिखा दिया कि दृढ़ संकल्प सफलता की कुंजी है। उसने डी.पी.आर. कोरिया के किम हायंग मी को जजों के सर्वसम्मत निर्णय से फाइनल दौर में 5 – 0 से हरा दिया।

साहित्य

# ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए हिंदी लेखिका कृष्णा सोबती को चुना गया

Source: http://currentaffairs.freejobalert.com

प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार कृष्णा सोबती को इस वर्ष के ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया है। 92 वर्षीय लेखिका अपने साहसिक विचारों और विषयों के चुनाव के लिए जानी जाती हैं जो देश विभाजन और पुरुष और महिला के बीच संबंध से लेकर भारतीय समाज के परिवर्तनशील व्यवहार और मानव मूल्यों के क्रमिक ह्रास को छूती है। वह अपनी कृतियों में हिंदी, उर्दू और पंजाबी भाषाओं के मिश्रण का उपयोग करती हैं। अन्य कृतियों के साथ कुछ प्रसिद्ध कृतियों में **डार से बिछुड़ी, मित्रो मरजानी** और **दिल – ओ – दानिश** हैं। ■

# जम्मू और कश्मीर में महिला संवेदनशीलता

*राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा (प्रभारी) श्रीमती रेखा शर्मा जम्मू और कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा सुश्री नयीमा अहमद महजूर के साथ*

जम्मू और कश्मीर राज्य के अपने दौरे के दौरान, अध्यक्षा (प्रभारी) श्रीमती रेखा शर्मा जम्मू और कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती जी और राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा सुश्री नयीमा अहमद महजूर से मिली। बैठक के दौरान क्षेत्र में महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने रियसी जिले में पुलिस अकादमी तलवाड़ा में 900 से अधिक प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षार्थी कांस्टेबलों को भी संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने महिला संवेदनशीलता की आवश्यकता को रेखांकित किया और महिलाओं के प्रति मानसिकता और व्यवहार परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से यह कहा कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से संबंधित मामलों को अधिक संवेदनशीलता के साथ निपटाने की आवश्यकता है। इस दौरे की एक प्रमुख बात कश्मीर में विधि जागरूकता प्रोग्राम का होना है जो राष्ट्रीय महिला आयोग ने जम्मू और कश्मीर राज्य महिला आयोग के साथ सहयोग से पहली बार राज्य में आयोजित किया था। ■

गतिविधियां

# अध्यक्षा (प्रभारी) श्रीमती रेखा शर्मा केरल धर्मांतरण संबंधी मामले के तथ्य की जानकारी के दौरे में

*राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा (प्रभारी) श्रीमती रेखा शर्मा हादिया से मिलने कोट्टायम के वेककाम में उसके निवास पर गई*

यह जानने के लिए कि केरल में लड़कियों को क्यों धर्मांतरण और विवाह के लिए कथित रूप से प्रलोभित किया जाता है, श्रीमती रेखा शर्मा 5 से 8 नवम्बर, 2017 को केरल (कोच्चि – कोझिकोड – तिरुवनंतपुरम) गईं। अपने 3 दिन के दौरे के पहले दिन श्रीमती शर्मा जबरन धर्मांतरण के पीड़ितों से मिलीं। वह हादिया से मिलने कोट्टायम के वेककाम में उसके घर भी गई। वह बाद में कोच्चि में गवर्नमेंट गेस्ट हाउस में केरल मुस्लिम महिला प्रतिनिधियों से मिली। अपने केरल दौरे के दूसरे दिन अध्यक्षा ने कोझिकोड में सुबह का समय धर्मांतरण और विवाह करने के लिए कथित रूप से प्रलोभित लड़कियों के परिवारों से मिलने में व्यतीत किया। वह गवर्नमेंट मेंटल सेन्टर, कालीकट में स्टाफ और रोगियों से मिलीं। श्रीमती शर्मा कुछ पीड़ित परिवारों से भी मिलीं, जिसमें निमिषा/फातिमा, एक युवा लड़की एवं उसकी मां बिंदु समपथ जिसके बारे में बताया जाता है कि एक आतंकी दल में शामिल कराने के लिए उनको तस्करी से अफगानिस्तान तस्करी से भेजा गया था। तिरुवनंतपुरम में रहते हुए अध्यक्षा राज्य में जबरन धर्म परिवर्तन करने सहित महिलाओं के अधिकारों और शिकायतों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केरल के पुलिस महानिदेशक से भी मिलीं। ■

# कानून के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता

महिलाओं से संबंधित कानूनों के बारे में सामान्यत: जनता को जागरूक करने की आवश्यकता को स्वीकारते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग ने कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में ऐसे कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रोग्राम आरम्भ किया। यह उनको कम उम्र में ही जानकारी देने की कार्यनीति का भाग है। गैर सरकारी संगठनों और समूचे देश में शिक्षा संस्थानों के साथ मिलजुल कर कानूनी जागरूकता कार्यक्रम और सेमिनार आयोजित करके यह प्रतियोगिता महिलाओं की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए उपयुक्त वातावरण पैदा करने में बहुत मदद देगी।

यह प्रतियोगिता देश में विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षिक संस्थानों में आयोजित की जा रही है जिससे विद्यार्थियों को महिला संबंधित विभिन्न कानूनों और अन्य कानूनी अधिकारों और इंकार किए जाने पर उपलब्ध समाधानों के बारे में जानकारी मिल सके। कॉलेज/विश्वविद्यालय/संस्थान अपने स्तर पर विविध विकल्प की तरह की प्रतियोगिता आयोजित कर रहे हैं और आयोग प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए प्रत्येक कॉलेज/संस्थान द्वारा किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति करेगा। ■

# पर्यावरण ह्रास और स्लम में रहने वाली महिलाओं के लिए कल्याण कार्य

8 नवम्बर, 2017 को "स्लम में रहने वाली महिलाओं के आर्थिक कल्याण कार्य पर पर्यावरण ह्रास का प्रभाव" पर एक पैनल चर्चा को संबोधित करते हुए श्री आलोक रावत, सदस्य, राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि जल आपूर्ति, सिंचाई, सड़क, बिजली, सड़क सुरक्षा आदि जैसे बुनियादी सुविधाओं से संबंधित क्षेत्रों में अपनाई जा रही नीतियां महिला तटस्थ हैं। केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाई जा रही महिला आधारित बजट महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य पर केन्द्रित है। यह बताया गया कि शहरी जनसंख्या बढ़ने के साथ स्लम में भी लोगों की संख्या बढ़ती है। ऐसी वृद्धि पानी और सफाई सुविधाओं, कपड़े धोने के लिए स्थान और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर अतिरिक्त भार डालती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि स्लम निवासियों के लिए जरूरी सुविधाओं की ओर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। ■

# पूर्वोत्तर महिलाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल प्रशिक्षण

*श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्षा (प्रभारी), राष्ट्रीय महिला आयोग, श्री सी.के. दास, सदस्य, पूर्वोत्तर परिषद, श्रीमती ललडिंगलियन साइलो, पूर्व सदस्य और पीठासीन अधिकारी, राष्ट्रीय महिला आयोग, डा. सतबीर बेदी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग, श्रीमती थीनलिन फनभू, अध्यक्षा, मेघालय राज्य महिला आयोग और असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा से महिलाओं के लिए केन्द्रीय और राज्य सरकारों से प्रतिनिधि*

राष्ट्रीय महिला आयोग ने पूर्वोत्तर परिषद के साथ 14 नवम्बर, 2017 को शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के मुख्यालय में "पूर्वोत्तर राज्यों में महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक सशक्तिकरण" के लिए सिफारिशों पर चर्चा करने हेतु एक बैठक आयोजित की। इस इवेंट की अध्यक्षता श्रीमती रेखा शर्मा, अध्यक्षा (प्रभारी) ने की। इस अवसर पर बोलती हुई श्रीमती शर्मा ने रेखांकित किया कि यद्यपि यह धारणा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की महिलाएं शेष भारत की अपनी समकक्ष महिलाओं से बेहतर होती हैं, पूर्वोत्तर क्षेत्र की महिलाएं भी वंचित होती है। उन्होंने महिलाओं की तस्करी रोकने के लिए रोजगार सृजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने छुड़ाई गई महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर और आश्रय देकर भी उनका पुनर्वास करने पर जोर दिया। डा. सतबीर बेदी ने राज्यों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की महिलाएं, अन्य महिलाओं के लिए साहस का प्रतिरूप हैं। तथापि, उनके प्रयासों को हमेशा उन्हीं के अनुसार लाभ नहीं मिलता है। शिलांग में होने के दौरान श्रीमती शर्मा और डा. बेदी ने मेघालय में माननीय राज्यपाल से व्यक्तिगत रूप से उन्हें राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा तैयार रिपोर्ट की एक प्रति देने के लिए भेंट की। ■

**राष्ट्रीय महिला आयोग,** प्लॉट नं. 21, जसोला इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110025 द्वारा प्रकाशित। सम्पादक: वनीता अखोरी 22 नवम्बर, 2017 को अयोग में सम्पादक के पद पर नियुक्त हुई। **आकांक्षा इम्प्रेशन,** 18/36, गली नं. 5, रेलवे लाइन साइड, आनंद पर्वत इंडस्ट्रियल एरिया, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।